B-3

L-10

Growth v/s Development
(संवृद्धि बनाम विकास)

- ग्रोथ मात्रात्मक होती है तथा उत्पादन या साथ में होने वाले परिवर्तनों को प्रदर्शित करती है।
- विकास गुणात्मक होता है और जीवन की गुणवत्ता (Quality of life) को प्रदर्शित करता है।
- ग्रोथ से जीवन स्तर (Living Standard) में सुधार किया जा सकता है लेकिन जीवन स्तर में सुधार के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है।
- विकास एक व्यापक अवधारणा है जिसमें जीवन की गुणवत्ता को देखा जाता है, हालांकि इसमें एक आर्थिक जीवन स्तर का समावेश भी रहता है।
- इस प्रकार विकास में जीवन स्तर के साथ-साथ कुछ अन्य बातों को भी ध्यान में रखा जाता है

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Trust Learning Platform KHAN SIR

जैसे कि अच्छा स्वास्थ्य, ज्ञान का अच्छा स्तर आदि।

- इसे चित्र द्वारा दिखाया जा सकता है -

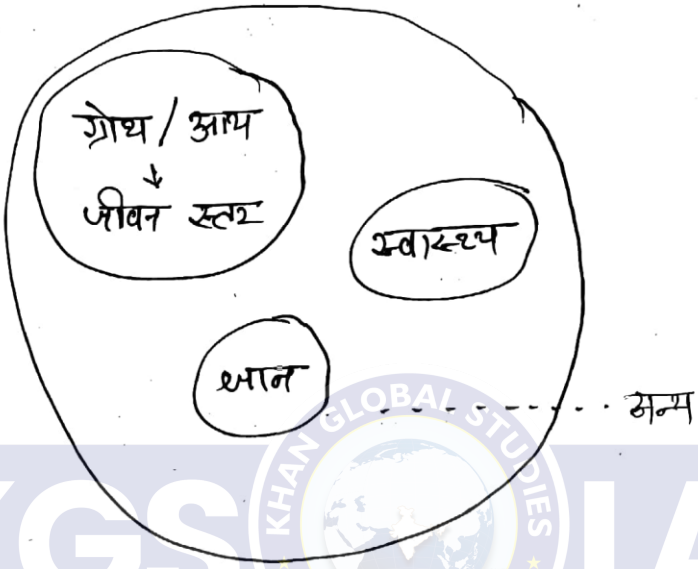

विकास = जीवन की गुणवत्ता

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- यह ध्यान देने योग्य है कि ग्रोथ और विकास एक दूसरे के पूरक होते हैं; न कि प्रतिस्थापक।

— o —

HDI - Human Development Index

[मानव विकास सूचकांक]

प्रास्तावना-

गुणात्मक होने के कारण विकास को मापा नही जा सकता लेकिन मोटे रूप मे इसकी दिशा और स्थिति को समझने के लिए UNDP द्वारा 1990 से HDI का निर्माण किया जा रहा है,

HDI मे प्रयुक्त होने वाले आयाम और सूचक

आयाम → सूचक

दीर्घ और स्वस्थ जीवन ⟶ जीवन प्रत्याशा

ज्ञान ⟶ 1. स्कूल के प्रत्याशित वर्ष
2. स्कूल के वर्षों का माध्य (औसत)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

जीवन स्तर ⟶ प्रति व्यक्ति वास्तविक GNI

GNI GNPFC
↓
Gross National Income
↓
American Dollar मे
↓
PPP - Purchasing power Parity
क्रय शक्ति समता के आधार पर
↓
Big mac Index (By the economist)

INDIA ₹ 207 ⟶ Maharaja Burger ⟵ USA $ 5.36

₹ 38.62 = $1

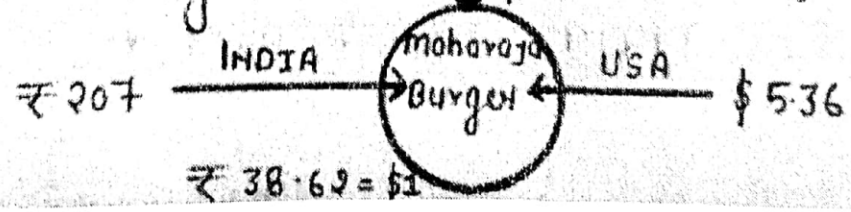

Human Development of India –

(Ref HDR - २०२१/२२)

i)	जीवन प्रत्याशा	67.2 years
ii)	स्कूल के प्रत्याशित वर्ष	11.9 years
iii)	स्कूल के वर्षों का माध्य	6.7 years
iv)	Real Per capita GNI	$ 6590
v)	HDI value	0.633 (HDI का मान 0 से 1 के मध्य)
vi)	Rank	132 वीं (191 राष्ट्रों में)
vii)	Category (श्रेणी)	Midium human Development
viii)	IHDI	0.475 ⇓ मध्यम मानव विकास
ix)	GDI	0.849
x)	PHDI	0.609

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

NOTE-

IHDI - 2010, विषमताओं को समायोजित करने के बाद निकाला गया HDI।

भारत की स्थिति: HDR - 2021/22 ⇒ 0.475 (25% गिरावट)

- GDI - 2014 में लागू

$$\text{Gender Development Index} = \frac{\text{HDI For Females}}{\text{HDI For males}}$$

भारत: HDR 2021/22 ⟶ $= \frac{0.567}{0.668}$

$= 0.849$

- PHDI - 2020, Planetary - Pressure adjusted HDI

PHDI का निर्माण करते समय निम्न दो नकारात्मक रूपों से समायोजन किया जाता है-

i) Material Foot print - प्रतिव्यक्ति आय 5.2 टन

वर्तमान जीवन स्तर से जुड़े उपभोग को पूरा करने के लिए भूमि से खनिज आदि के रूप में कितने पदार्थ निकाले जाते हैं।

ii) CO_2 का उत्सर्जन (प्रति व्यक्ति) - 1.8 टन

भारत की स्थिति-

1- PHDI मूल्य - 0.609

2- प्रतिव्यक्ति CO_2 का उत्सर्जन - 1.8 टन

3 - Material Foot Print - 5.2 टन

⇒ Human Capital formation
मानव-पूंजी निर्माण

⇓

लोगों की शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, स्वास्थ्य आदि पर खर्च जो मानव संसाधनों के रूप में उनकी उत्पादकता बढ़ाता है।

⇒ Social Capital (सामाजिक पूंजी)

↳ लोगों के मध्य जुड़ाव, सक्रियता, अन्तर्संबन्ध आदि।

यह देखा गया है कि सामाजिक पूंजी से व्यवसायिक संगठन अपनी उत्पादकता बढ़ा सकते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR